जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 276 प्रभात उदयपुर, सोमवार 8 अगस्त, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

महिला मुक्केबाज़ नीतू घंघस ने कॉमनवैल्थ गेम्स महिला 48 किग्रा मुकाबले में गोल्ड मैडल हासिल किया। नीतू ने मुक्केबाजी प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मेज़बान इंगलैण्ड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को जबरस्त तरीके से मात दी। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी। नीतू ने जीत के बाद कहा, ''मैं स्वर्ण पदक जीतने के बाद बेहद खुश हूं। मैं यह पदक अपने देशवासियों के नाम करना चाहती हूं। मैं भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ के समर्थन के लिये उनकी शुक्रगुज़ार हूं। मैं अपने कोचों, और अपने परिवार की भी शुक्रगुज़ार हूं क्योंकि मैं उनके समर्थन के बिना यह स्वर्ण नहीं जीत सकती थी।''

चीन ने ताइवान के ऊपर 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान तैनात किए

चीन की इन आक्रामक गतिविधियों से चीन, ताइवान युद्ध की आशंका और प्रबल हो गई है

ताइपे/ नई दिल्ली, 7 अगस्त। अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच टेंशन बढ़ गई है। पेलोसी की यात्रा से तिलमिलाए चीन ताइवान के आसपास के इलाके में सैन्य अभ्यास तेज कर दिया है। ताइवान के आसपास उसने अपने 100 से अधिक युद्धक विमान तैनात कर दिए हैं। इसके साथ-साथ उसने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाईयू-20 विमान को तैनात कर दिया है।

- **चीन ने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाई.यू.-20 विमानों को भी तैनात कर दिया है।**
- **चीन की सरकारी मीडिया ने खुद चीन की इस मिलिटरी ड्रिल की वीडियो और तस्वीरें दुनियाभर में प्रसारित कर यह दिखाने का प्रयास किया है कि, चीन ताइवान के खिलाफ कुछ बड़ा करने के प्रयास में है।**
- **चीन के लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज इत्यादि, ताइवान से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर तैनात हैं।**

ताइवान के करीब ड्रैगन की गतिविधियां देखकर संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन से अपने सैन्य अभ्यास को तुरंत बंद करने का आग्रह किया है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबाल टाइम्स की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो में यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि कैसे चीनी सेना ताइवान के आसपास अपना पैर जमा रही है और सैन्य को अंजाम दे रही है।

ताइवान के साथ तनाव के बीच चीन की ओर से जारी किए गए वीडियो का मुख्य एजेंडा चीन की सैन्य ताकत को दिखाना है।

युद्धक विमानों से लेकर नई पीढ़ी के विमानों के शामिल किए जाने तक, संयुक्त नाकाबंदे अभ्यास ताइवान के लिए एक चेतावनी जैसा है। ताइवान पर बीजिंग पहले से ही अपना हक होने का दावा करते आ रहा है।

चीन का कहना है कि उसने ताइवान के आसपास के छह क्षेत्रों में युद्धक विमानों, नौसेना के जहाजों और मिसाइल हमलों से जुड़े अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

वे द्वीप के तट से 20 किलोमीटर (12 मील) की दूरी पर स्थित हैं, जो संभावित रूप से ताइवान के जल क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं।

चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह कहते हुए सैन्य अभ्यास शुरू किया था कि उनकी यात्रा ने एक चीन नीति का उल्लंघन किया है। ताइवान पर चीन अपना दावा जताता है और उसने धमकी दी है कि जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लेगा।

सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश हैं जस्टिस रमन्ना

जस्टिस रमन्ना ने अपने कार्यकाल में 105 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां की हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है

नई दिल्ली, 7 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एन.वी. रमना उच्च न्यायपालिका में जजों की सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। अपने एक वर्ष से थोड़ा ज्यादा के कार्यकाल में उन्होंने 100 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां हाईकोर्ट में और पांच से ज्यादा नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट में की हैं। उच्च न्यायालयों में जजों की रिक्तियां 411 से घटकर 380 रह गई हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना ने अप्रैल 24, 2021 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे का स्थान लिया था, उस समय देश के 24 हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी (411) से ज्यादा रिक्तियां थीं। पटना हाईकोर्ट समेत कुछ हाईकोर्ट आधे से भी कम क्षमता के साथ काम कर रहे थे। लेकिन जस्टिस रमना ने आते ही कोलेजियम (न्यायाधीशों के चयन के लिए पांच वरिष्ठतम जजों का मंडल) में सर्वसम्मति बनाने के प्रयास

- **अपने करीब 15-16 महीने के कार्यकाल में उन्होंने विभिन्न हाईकोर्टो में जजों की रिक्तियां 411 से घटाकर 380 कर दी है।**
- **उनके मुख्य न्यायाधीश बनने से पहले विभिन्न हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी सीटें खाली थीं।**
- **जस्टिस रमन्ना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी।**
- **जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।**

किए और जजों की सिफारिशें स्वीकार होने लगीं।

केंद्र सरकार ने उनकी लगभग सभी सिफारिशें मानी और नियुक्तियां कीं। आज यह स्थिति है कि हाईकोर्ट में अब रिक्तियों की संख्या घटकर 380 रह गई है। दिलचस्प बात यह है कि जस्टिस रमना के पूर्ववर्ती जस्टिस एसए बोबडे अपने एक साल के कार्यकाल के दौरान एक भी नियुक्ति नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनका पूरा कार्यकाल करोना महामारी के दौरान का रहा, लेकिन नियुक्तियों का करोना से कोई संबंध नहीं था। कोलेजियम की सर्वसम्मति ही इसमें महत्वपूर्ण मुद्दा था। जस्टिस रमना 26 अगस्त 2022 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

जस्टिस रमना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी। इनमें से आठ नाम न्यायिक अधिकारियों के हैं। इसके बाद उन्होंने एक और बैठक की जो सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों को लाने के लिए थी, लेकिन इसमें सर्वसम्मति नहीं बन पाई। इसके बाद उन्होंने एक और प्रयास 1 अगस्त को किया, लेकिन अन्य चार जज इसके लिए तैयार नहीं हुए।

इस बीच केंद्र सरकार ने उन्हें एक पत्र भेजा और अपने उत्तराधिकारी का नाम संस्तुति करने का आग्रह किया। जस्टिस रमना ने अगले दिन अपने उत्तराधिकारी के लिए जस्टिस यूयू ललित का नाम सरकार को भेज दिया। सरकार को नाम भेजते ही वह कोलेजियम की बैठक से दूर हो गए। जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।

रास्ते से भटक गया इसरो का सैटलाइट

नई दिल्ली, 7 अगस्त। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है। इसरो ने रविवार को बताया कि स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल एस.एस.एल.वी.-डी-1 अब इस्तेमाल लायक नहीं रह गया है क्योंकि इसे पृथ्वी की सर्कुलर ऑर्बिट की जगह एलिप्टिकल ऑर्बिट

- **इसरो को आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है।**

में स्थापित कर दिया गया। बताया गया कि सेंसर फेल्योर की वजह से इसने अपनी दिशा बदल दी और यह गलत कक्षा में स्थापित हो गया

इसरो ने कहा है कि, इस बार हुई चूक को अनैलाइज किया जाएगा। इसके बाद सुधार के साथ जल्द ही एस.एस.एल.वी.-डी2 लॉन्च किया जाएगा। संगठन की ओर से कहा गया, एस.एस.एल.वी.-डी-1 ने सैटलाइट को 356 किमी. एलिप्टिल ऑर्बिट में प्लेस कर दिया जबकि इसे 356 किमी सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। अब सैटलाइट इस्तेमाल में नहीं आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष पर जमकर भड़कीं मारग्रेट अल्वा

अल्वा ने कहा कि, विपक्षी दलों ने डायरैक्ट व इनडायरैक्ट तरीके से एन.डी.ए. को सपोर्ट किया है

नई दिल्ली, 7 अगस्त। उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा शनिवार को हार के बाद अपने सहयोगियों पर भड़क उठीं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दलों ने भी डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तरीके से एन.डी.ए. उम्मीदवार का समर्थन किया है। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में मार्गरेट अल्वा को 200 से भी कम वोट मिले हैं। इससे पहले उन्होंने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चुनाव संपन्न होने के बा उपराष्ट्रपति पद के लिए लड़ाई तो खत्म हो चुकी है। हालांकि संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की मजबूती और संसद की गरिमा को स्थापित करने का संघर्ष जारी रहेगा।

अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने विपक्षी दलों की एकता में कमी पर निराशा जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ विपक्षी दलों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का साथ देने का फैसला किया। इसके चलते विपक्ष की एकता की गाड़ी पटरी

- **अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने लिखा कि, यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे।**

से उतर गई। इसके साथ ही देश का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर जगदीप धनखड़ को बधाई। साथ ही उन्होंने विपक्ष के सभी नेताओं और खुद को वोट देने वाले सभी सांसदों और चुनाव के दौरान अपने अभियान में साथ देने वाले वॉलंटियर्स का भी शुक्रिया अदा किया।

गौरतलब है कि कई विपक्षी दलों- जनता दल (यूनाइटेड), वाई.एस.आर. सी. पी., बी.एस.पी., ए.आई.ए. डी. एम. के. और शिवसेना ने धनखड़ का समर्थन किया था। वहीं ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी दलों पर उम्मीदवार चुनने से पहले सलाह न लेने का आरोप लगाते हुए इस चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। इसके बावजूद टी.एम.सी. के दो सांसद वोट डालने पहुंचे थे। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अल्वा को संयुक्त विपक्ष की भावना को शानदार ढंग से प्रदर्शित करने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

श्रीकांत त्यागी भाजपा का नेता है?

नई दिल्ली, 7 अगस्त। नॉएडा सैक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में महिला से बदसलूकी कर चर्चा में आए नेता श्रीकांत त्यागी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के नेता कीर्ति आजाद ने रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ श्रीकांत त्यागी की फोटो शेयर कर भाजपा पर चुटकी ली है। इस तस्वीर में श्रीकांत त्यागी भाजपा अध्यक्ष नड्डा को एक गुलदस्ता भेंट करता दिख रहा है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस तस्वीर की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

इस फोटो की कैप्शन के तौर पर उन्होंने वायरल

- **भाजपा महिला से बदसलूकी के आरोपी नॉएडा के नेता श्रीकांत त्यागी से पल्ला झाड़ने के लाख प्रयास कर रही है, लेकिन रोज़ उनके भाजपाई होने के नये-नये सबूत सामने आ रहे हैं।**

हो रहे एक मीम की लाइन- देख रहे हो ना विनोद, श्रीकांत त्यागी का भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है भी लिखी है। महिला के साथ बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद से श्रीकांत त्यागी फरार है। उसके खिलाफ एफ.आई.आर. भी दर्ज हो चुकी है और पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं।

बता दें कि, कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताने वाले श्रीकांत त्यागी का अपनी सोसाइटी में एक महिला से बदसलूकी करने का वीडियो वायरल होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अयोध्या में जमीन घोटालेबाजों की लिस्ट में भाजपा विधायक व मेयर का नाम भी शामिल

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अवैध रूप से जमीन खरीद-फरोख्त करने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की

अयोध्या, 7 अगस्त। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन बेचने और उन पर निर्माण कराने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की है। इनमें अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय और भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी शामिल हैं। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने मीडिया को बताया कि प्राधिकरण की ओर से शनिवार रात प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन की खरीद-फरोख्त और निर्माण कार्य कराने वाले 40 लोगों की एक लिस्ट जारी की गई। उन्होंने कहा कि इस लिस्ट में शामिल इन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण की ओर से जारी लिस्ट में बीजेपी विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं। गुप्ता और उपाध्याय ने इसके जवाब में आरोप लगाया कि यह एक साजिश है और उन्हें गलत तरीके से इस मामले में फंसाया गया है। लिस्ट में मिल्कीपुर क्षेत्र से पूर्व बीजेपी विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है। गौरतलब है कि इस साल के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या में गलत तरीके से जमीन की खरीद-फरोख्त किए जाने का मामला गर्माया था। क्षेत्रीय सांसद लल्लू सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस मामले की विशेष अनुसंधान दल से जांच कराने की मांग की थी। अयोध्या में जमीन की अवैध खरीद-फरोख्त का जब मामला गर्माया था तब यूपी के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक ट्वीट कर इस मामले पर कहा था, ''हमने पहले भी कहा है, फिर दोहरा रहे हैं... भाजपा के भ्रष्टाचारी कम-से-कम अयोध्या को तो छोड़ दें।''

- **इस लिस्ट में अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व क्षेत्रीय विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है।**
- **गौरतलब है कि, पिछले दिनों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि, ''भाजपा के पापी नेताओं कम से कम अयोध्या को तो छोड़ दो।''**
- **अखिलेश यादव ने कहा था कि, भाजपा के नेताओं ने जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का चूना लगाया।**

इससे पहले सपा ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा था, ''अयोध्या में भाजपाइयों का पाप! भाजपा के महापौर, नगर विधायक और पूर्व विधायक भू-माफियाओं के साथ मिलकर बसा रहे अवैध कॉलोनियां। जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का लगाया चूना। मामले की हो जांच। दोषियों के खिलाफ हो कार्रवाई।''

गौरतलब है कि, कुछ महीने पहले इस मामले को उठाने वाले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय सिंह ने भी अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा लिस्ट जारी किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों की आस्था भगवान श्रीराम में नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार में है। सिंह ने एक बयान में कहा कि प्रभु राम के नाम पर जमीन के घोटाले का खुलासा सबसे पहले उन्होंने किया था और उस वक्त भी अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय का नाम आया था। उन्होंने कहा कि आज जमीन का घोटाला करने वाले लोगों की जो लिस्ट जारी हुई है, उसमें अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, अयोध्या नगर के भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा का भी नाम शामिल है।

ज़वाहीरी का शव

काबुल, 7 अगस्त (वार्ता)। तालिबान ने कहा है कि, उसे अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-जवाहिरी का शव नहीं मिला।

इससे पहले सप्ताह में, तालिबान ने कहा था कि, उसे अल-जवाहिरी के काबुल में आने और रहने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने शनिवार को कहा, हमें उस जगह पर कोई शव नहीं मिला जहां अमेरिकी ड्रोन ने हमला किया था।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पहले अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि

- **तालिबान ने कहा है कि, उसे काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-ज़वाहीरी का शव नहीं मिला।**

अल-जवाहिरी हाल के महीनों में सिराजुद्दीन हक्कानी के परिसर के पास मध्य काबुल में रह रहा था। सूत्रों के अनुसार अल-जवाहिरी 2021 के अंत में काबुल चला गया और हक्कानी के संरक्षण में था।

व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि अमेरिका ने 30 जुलाई को काबुल में एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद आतंकवादी समूह का नेतृत्व करने वाले अल-जवाहिरी को एक ड्रोन के जरिये दो हेलफायर मिसाइलों से उसे ढ़ेर कर दिया गया।